काजरी को मिला सर्वश्रेष्ठ वार्षिक प्रतिवेदन पुरस्कार

जोधपुर 18 जुलाई 2022,

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के 94वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ वार्षिक प्रतिवेदन 2020-2021 का पुरस्कार केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर को दिया गया। इस अवसर पर यह पुरस्कार केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने काजरी निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव को नई दिल्ली में प्रदान किया। शुष्क क्षेत्रों के कृषि अनुसंधान और विकास के लिए समर्पित विश्व के अग्रणी संस्थान काजरी ने राजस्थान में हवा के कटाव का स्थानिक मूल्यांकन किया। इसके अलावा विशेष रूप से भारतीय थार रेगिस्थान में वातावरण में धूल के भार का पता लगाने के लिए एक रिमोट सेंसिंग आधारित कलन विधि विकसित की। काजरी ने मरूक्षेत्र की मृदा का सर्वेक्षण भी किया। साथ ही सीवेज उपचार संयंत्र का संचालन किया और पानी को उपचारित करके चारा की फसलों जैसे नेपियर हाइब्रिड, मोरिंगा आदि के उत्पादन के लिए सिंचाई की सुविधा की गई। इसके अलावा काजरी के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लेह द्वारा लद्वाख के पांच गोद लिए गए गांवों मे आदिवासी उपयोजना की गतिविधियों को भी अंजाम दिया गया। अनुसूचित जाति योजना गतिविधियां वर्ष 2020 के दौरान राजस्थान के चार जिलों और गुजरात के एक जिला में शुरू की गई। विभिन्न हितधारकों को उनके तुलनात्मक प्रदर्शन और विशेषताओं को प्रदर्शित करने के लिए महत्वपूर्ण शुष्क क्षेत्रों में खरीफ और रबी फसलों का "क्रॉप कैफैटेरिया" प्रबंधन किया गया।

काजरी निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव ने काजरी को मिले सर्वश्रेष्ठ वार्षिक प्रतिवेदन पुरस्कार के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि हमें संस्थान एवं किसानों के लिए सदैव सर्वश्रेष्ठ कार्य करते रहना चाहिए। इस पुरस्कार से पहले भी काजरी को कई राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिल चुके हैं।